भारत सरकार

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1685

10.12.2025 को उत्तर देने के लिए

ज्ञान अर्थव्यवस्था का मापन

1685. श्री इटेला राजेंदरः

श्री चमाला किरण कुमार रेड्डीः

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने ज्ञान अर्थव्यवस्था को मापने के लिए ढांचे को विकसित करने हेतु कदम उठाए हैं और आधे दिन की मंथन कार्यशाला आयोजित की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं।

(ख) क्या मंथन कार्यशाला का ध्यान ज्ञान संबंधी उत्पादों का वर्गीकरण विकसित करने और सकल घरेलू उत्पाद में इन ज्ञान उत्पादों और सेवाओं के योगदान को मापने के लिए संभावित मात्रात्मक संकेतक डेटा स्रोतों की पहचान करने पर केंद्रित था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या कार्यशाला में ज्ञान अर्थव्यवस्था में स्वदेशी और पारंपरिक ज्ञान मदों के योगदान को प्राप्त करने में आने वाली चुनौतियों पर भी जोर दिया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों का एक समूह ज्ञान अर्थव्यवस्था को मापने के लिए एक मजबूत ढांचा विकसित करने में सहायता करेगा; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और संस्वीकृत एवं खर्च की गई निधि की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तया संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री (राव इंद्रजीत सिंह)

(क) से (ग) : ज्ञान अर्थव्यवस्था को मापने के लिए एक अवसंरचना विकसित करने के उद्देश्य से**,** दिनांक 30 सितंबर 2025 को एक विचार-मंथन कार्यशाला आयोजित की गई**,** जिसमें संबंधित केंद्रीय सरकार मंत्रालयों/विभागों**,** अकादमिक क्षेत्र**,** अनुसंधान**,** उद्योग के प्रतिनिधियों और नीति निर्माण से संबंधित प्रबुद्ध व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यशाला में अन्य बातों के साथ-साथ**,** पारंपरिक ज्ञान से संबंधित उत्पादों सहित ज्ञान उत्पादों का संभावित वर्गीकरण विकसित करने**,** डेटा स्रोतों और ज्ञान अर्थव्यवस्था के विभिन्न घटकों को मापने में आने वाली चुनौतियों पर विचार किया गया।

(घ) और (ड.): ज्ञान अर्थव्यवस्था के मुख्य घटकों की पहचान करने**,** ज्ञान-आधारित आर्थिक कार्यकलापों का मूल्यांकन करने की विधियों की संस्तुति करने और ज्ञान अर्थव्यवस्था संकेतकों को अन्य समष्टि-अर्थव्यवस्था और सामाजिक संकेतकों के साथ जोड़ने आदि के लिए एक तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी) भी गठित किया गया है। अब तक निधि केवल विचार-मंथन सत्र और टीएजी बैठक के आयोजन पर हुए संचालन व्यय पर खर्च की गई है।

***